श्री के. सी. त्यागीः फिर मैं इनको नहीं बोलने दूंगा। **...(व्यवधान)...** यह कोई बात है? मैं इनको नहीं बोलने नहीं दूंगा। ये हर चीज में टांग अड़ाते हैं। **...(व्यवधान)...** बेकार की बात करते हैं। मैं इनसे कह रहा हूं कि बैठ जाइए। **...(व्यवधान)...**

श्री उपसभापतिः के. सी. त्यागी जी बोलिए। **...(व्यवधान)...** जयराम जी, बैठिए, बैठिए, **...(व्यवधान)...** You are a very senior Member ...(*Interruptions*)... It is Zero Hour ...(*Interruptions*)... You give a Zero Hour notice for tomorrow ...(*Interruptions*)... I will recommend the Chairman to accept it. ...(*Interruptions*)... Now, Shri K. C. Tyagi. ...(*Interruptions*)... No, no. ...(*Interruptions*)... I will expunge it ...(*Interruptions*)... I will go through the record. ...(*Interruptions*)... Shri K. C. Tyagi, why did you sit? You say, ...(*Interruptions*)... You start saying. ...(*Interruptions*)... Nothing else will go on record. ...(*Interruptions*)... Only what Shri K. C. Tyagi says will go on record. ...(*Interruptions*)... I am fighting for the cause of ...(*Interruptions*)...

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Deviation in the foreign policy of the country

श्री के. सी. त्यागी (बिहार)ः उपसभापति जी, मैं 12 अप्रैल, 2016 को अमरीका और भारत सरकार के बीच हुए रक्षा संबंधी समझौते की जानकारी देने और उसका विरोध करने के लिए खड़ा हुआ हूं। इस समझौते के तहत सामरिक प्रबंधन के अलावा यह भी तय किया गया है कि भारत और अमरीका के विमान और पोत एक-दूसरे के सैन्य अड्डों पर तैनात किए जा सकेंगे। एनडीए सरकार की यह पहल न सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से अव्यावहारिक है, बल्कि गुटनिरपेक्ष देश की दक्षता को भी चुनौती देने वाली है। इससे पूर्व भारत किसी भी देश के साथ इस तरह के समझौते पर हस्ताक्षर करने से परहेज करता रहा है।

उपसभापति जी, आजादी के आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी और पं. जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में यह गुटनिरपेक्ष की राजनीति तय हुई थी। मार्शल टीटो, नासर, एल. क्रूमा से लेकर पं. जवाहरलाल नेहरू तक इस विदेश नीति के पालक-पोषक रहे हैं। वह चाहे अटल जी की सरकार रही हो, चाहे मोरारजी भाई की सरकार रही हो, चाहे किसी की भी सरकार रही हो, इस गुटनिरपेक्ष नीति से कोई परे नहीं हटा है। Sir, this is surrender to the U.S. उपसभापति जी, इससे पहले 25 जनवरी को This is the Joint Statement of Indo-U.S. Deal, इसमें very categorically इसकी जड़ तभी जमी थी, "Recognizing the important role that both countries play in promoting peace, prosperity, stability. इससे मुझे कोई एतराज़ नहीं है, लेकिन security in the Asia-Pacific and Indian Ocean Region, and noting that India's 'Act East Policy' and the United States' rebalance to Asia provide opportunities for India and the United States, and other Asia-Pacific countries to work closely". इसलिए सर, यह भारत की जो विदेश नीति है, उसका समर्पण है, हम गुटनिरपेक्षता से दूर चले गए हैं और जो बाजार की नीतियां हैं, उन्होंने देश का भी नाश किया है और हमारी जो भारतीय विदेश नीति है, उसे उनके सामने surrender किया जा रहा है। मैं आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं

[श्री के. सी. त्यागी]
कि मंत्री महोदय इसके ऊपर जवाब दें कि क्या हम Southeast Asia Treaty Organization के मेम्बर बन गए हैं? क्या हम फिलिपींस के साथ treaty करेंगे, थाईलैंड के साथ treaty करेंगे, जो सीटो के मेम्बर हैं?

सर, मुझे याद है कि एम. जे. अकबर जी की लिखी हुई एक किताब है। जब मोरारजी भाई देश के प्रधान मंत्री थे, उस समय हमारे नेता, शरद यादव जी, सदन के मेम्बर थे, तो वे मोशे डायन से मिले थे। सर, Morarji Bhai is on record saying in M. J. Akbar's book कि "अगर मेरे देश के लोगों को यह पता लग गया कि मैं मोशे डायन से मिल रहा हूं, तो मेरी कुर्सी चली जाएगी।" सर, एक दिन वह था, जब 1953 में जवाहरलाल नेहरू जी से मिलने के लिए दल्लस आए थे। उसने तर्क देने चाहे कि आपको सीटो का मेम्बर क्यों बनना चाहिए, तो जवाहरलाल नेहरू जी ने कहा, "Shut up, मुझे सीटो का मेम्बर नहीं बनना।" ...**(समय की घंटी)**...

श्री उपसभापतिः आपका समय समाप्त हो गया।

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I associate myself with the matter raised by Shri Tyagi.

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I too associate myself with the matter raised by Shri Tyagi.

SHRI ANAND SHARMA (Himachal Pradesh): Sir, I too associate myself with the matter raised by Shri Tyagi.

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री गुलाम रसूल बलियावी (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

†**جناب غلام رسول بلیاوی** (بہار) : مہودے، میں بھی خود کو اس موضوع کے ساتھ سمبدھ کرتا ہوں۔

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करती हूं।

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री संजीव कुमार (झारखंड): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री चंद्रपाल सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

कुछ माननीय सदस्यः महोदय, हम भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करते हैं।

† Transliteration in Urdu script.